क्या आप जानते हैं**?** भारतीय नोटों के पीछे की कहानी

भारतीय नोटों पर स्मारकों का चित्रण धार्मिक और भौगोलिक संतुलन को दर्शाता है! उदाहरण के लिए, उत्तर दिशा से लाल किला, पूर्व से कोणार्क मंदिर, दक्षिण से हम्पी, पश्चिम भारत से रानी की वाव और ऐलोरा गुफाएँ, और मध्य भारत से सांची स्तूप शामिल हैं। इसी तरह, लाल किला मुस्लिम शासकों द्वारा बनाया गया था, सांची स्तूप एक बौद्ध स्मारक है, कोणार्क और हम्पी के मंदिर हिंदू मंदिर हैं, और ऐलोरा गुफाओं में हिंदू, बौद्ध और जैन प्रतीकों का मिश्रण है। इसके अलावा, नोटों पर स्मारकों का चित्रण भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को भी दर्शाता है। लाल किला एक किला है; कोणार्क मंदिर और हम्पी मंदिर मंदिर हैं; रानी की वाव एक जल प्रबंधन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सीढ़ी वाली कुई है; ऐलोरा गुफाएँ चट्टानों में बनी गुफाएँ हैं, और सांची स्तूप एक बौद्ध स्तूप है।

10 रुपये का नोट पर चित्रित चित्र उड़ीसा के कोणार्क सूर्य मंदिर के पहिए का है। कोणार्क सूर्य मंदिर 13वीं सदी का मंदिर है जो राजा नरसिंहदेव द्वारा पूर्वी गंगा वंश के तहत 1250 ईस्वी के आसपास बनाया गया था और इसे 1984 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित किया गया था।

20 रुपये का नोट महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित ऐलोरा गुफाओं के कैलाश मंदिर के आंगन का चित्र प्रस्तुत करता है। इस आंगन में स्थित ध्वजस्तंभ को मुद्रा में बहुत स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। कैलासा मंदिर जो कि गुफा नं. 16 है, अन्य 34 हिंदू, बौद्ध और जैन गुफा मंदिरों और मठों में सबसे बड़ा है, जिसे ऐलोरा गुफाओं के रूप में जाना जाता है। यह दुनिया की सबसे बड़ी एकल चट्टान संरचना भी है। इसे 1983 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था.

50 रुपये का नोट विजय विठोला मंदिर या विठोला मंदिर के प्रसिद्ध पत्थर के रथ का चित्र प्रस्तुत करता है, जो हम्पी में स्थित है। यह तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थित है। विठोला मंदिर के आंगन में एक पत्थर के रथ के रूप में गरुड़ मंदिर है, जो हम्पी का एक प्रसिद्ध प्रतीक है। इसे 1986 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया.

100 रुपये का नोट रानी की वाव की तस्वीर दिखाता है, जो देश की सबसे प्रसिद्ध सीढ़ी वाली कुओं में से एक है। रानी की वाव गुजरात के पाटन नगर में स्थित है, यह सरस्वती नदी के किनारे स्थित है। इसकी निर्माण का श्रेय उदयमती को जाता है, जो 11वीं सदी के चालुक्य राजा भीमा की पत्नी थीं। यह कुई 1980 के दशक में भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण द्वारा पुनर्निर्मित की गई। इसे 2014 से भारत के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों में शामिल किया गया है।

200 रुपये के नोट में प्रसिद्ध सांची स्तूप की तस्वीर है। स्तूप के प्रवेश द्वार पर स्थित तोरणा को बहुत स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। सांची स्तूप एक बौद्ध परिसर है, सांची के स्मारक प्राचीन मौर्य साम्राज्य (3वीं सदी ईसा पूर्व) से लेकर गुप्त साम्राज्य (5वीं सदी ईस्वी) और 12वीं सदी तक के कालखंड में बने हैं। इन स्मारकों को 1989 से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों में शामिल किया गया है।

500 रुपये के नोट में दिल्ली स्थित लाल किले की तस्वीर है। लाल किला पुराने दिल्ली इलाके में स्थित एक ऐतिहासिक किला है, जो मुग़ल सम्राटों का मुख्य निवास स्थान था। सम्राट शाहजहाँ ने 12 मई 1639 को लाल किले का निर्माण शुरू किया था, जब उन्होंने अपनी राजधानी को आगरा से दिल्ली स्थानांतरित करने का निर्णय लिया था। लाल किले को 2007 में यूने स्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई थी

स्क्रिप्ट शुरू)

(हल्का संगीत या शुरुआती धुन)

वक्ता: नमस्कार! क्या आपने कभी अपने बटुए में रखे नोटों को ध्यान से देखा है? उन पर बनी तस्वीरें सिर्फ़ डिज़ाइन नहीं, बल्कि भारत की कहानी कहती हैं। आज हम जानेंगे कि कैसे भारतीय नोटों पर बने स्मारक हमारे देश के अद्भुत धार्मिक और भौगोलिक संतुलन को दर्शाते हैं।

ये स्मारक भारत के कोने-कोने से चुने गए हैं - उत्तर से दिल्ली का लाल किला, पूर्व से ओडिशा का कोणार्क मंदिर, दक्षिण से कर्नाटक का हम्पी, पश्चिम से गुजरात की रानी की वाव और महाराष्ट्र की एलोरा गुफाएँ, और मध्य भारत से मध्य प्रदेश का सांची स्तूप। ये सिर्फ़ जगहें नहीं, बल्कि भारत की विविधता का प्रतीक हैं।

देखिए, लाल किला मुस्लिम वास्तुकला का नमूना है, तो सांची स्तूप बौद्ध धर्म का पवित्र स्थल। कोणार्क और हम्पी शानदार हिंदू मंदिर हैं, वहीं एलोरा की गुफाओं में हिंदू, बौद्ध और जैन, तीनों धर्मों की झलक मिलती है। ये स्मारक - चाहे किला हो, मंदिर, बावड़ी, गुफा या स्तूप - हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हैं।

चलिए, अब जल्दी से देखते हैं कि किस नोट पर कौन सा स्मारक है:

- **10** रुपये: इस पर है ओडिशा के कोणार्क सूर्य मंदिर का चक्र। 13वीं सदी का यह मंदिर अपनी अद्भुत वास्तुकला के लिए जाना जाता है और यह एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।
- **20** रुपये: इस पर महाराष्ट्र की एलोरा गुफाओं का दृश्य है, खासतौर पर कैलाश मंदिर का। ये गुफाएँ चट्टानों को काटकर बनाई गई हैं और हिंदू, बौद्ध, जैन धर्म का संगम दिखाती हैं। यह भी यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।
- **50** रुपये: इस नोट पर है कर्नाटक के हम्पी का पत्थर का रथ। यह विजयनगर साम्राज्य की राजधानी रहे हम्पी के विट्ठल मंदिर परिसर का हिस्सा है और यूनेस्को द्वारा संरक्षित है।
- **100** रुपये: इस पर गुजरात के पाटन में स्थित 'रानी की वाव' है। यह 11वीं सदी में बनी एक बेहद खूबसूरत और जटिल सीढ़ीदार कुआं है, जो जल प्रबंधन का बेहतरीन उदाहरण है। इसे भी यूनेस्को ने विश्व धरोहर माना है।
- **200** रुपये: इस नोट पर मध्य प्रदेश के सांची स्तूप का चित्र है। यह भारत के सबसे पुराने और महत्वपूर्ण बौद्ध स्मारकों में से एक है और यह भी यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।
- **500** रुपये: और आखिर में, 500 के नोट पर है दिल्ली का शान, लाल किला। मुगल बादशाह शाहजहाँ द्वारा बनवाया गया यह किला भारत के इतिहास का अहम हिस्सा है और एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

वक्ता: तो अगली बार जब आप कोई नोट देखें, तो याद रखिएगा कि आप सिर्फ़ पैसे नहीं, बल्कि भारत की विरासत, उसकी विविधता और उसके गौरवशाली इतिहास का एक टुकड़ा अपने हाथों में पकड़े हुए हैं।

(समापन संगीत)

(स्क्रिप्ट समाप्त)